Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-104

नाटक एवं नाट्यशास्त्र

एम.ए. संस्कृत (एमएएसएल- 12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. अधोलिखित पद्यों की प्रसंगपूर्वक व्याख्या कीजिए:

(क) त्वं जीवितं त्वमसि में हृदयं द्वितीयं त्वं कौमुदी नयनयोरमृतं त्वमङ्गें।

इत्यादिभिः प्रियशतैरनुरुन्ध्य मुग्धां तामेव शान्तमथवा किमिहोत्तरेण।।

(ख) वज्रादपि कठोराणि, मृदूनि कुसुमादपि।

लोकोत्तराणां चेतांसि, को नु विज्ञातुमर्हति।।

2. नाट्यशास्त्र के प्रमुख टीकाकारों का परिचय देते हुए उनके सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

3. दशरूपक के अनुसार अर्थोपक्षेप का निरूपण कर नायक तथा नायिका का सोदाहरण निरूपण कीजिए।

4. भवभूति की कृतियों का परिचय देते हुए 'एको रसः करुण एवं' की विवेचना कीजिए।

5. उत्तररामचरितम् का नाट्यशास्त्रीय मूल्यांकन करते हुए भाषाशैली तथा प्रधान रस की विवेचना कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. नाट्यशास्त्र का परिचय दीजिए।

2. मुख सन्धि का वर्णन कीजिए।

3. टिप्पणी लिखिए:
"यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्त्वेदुर्जनो जन:"

4. व्याख्या कीजिए:
"जीवत्सु तातपादेषु, नवे दारपरिग्रहे।
मातृ भिश्चिन्त्यमानां, ते हिनो दिवसा गता:।।"

5. नाट्यमण्डप के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

6. रस मीमांसा पर अपने विचार लिखिए।

7. रूपक के भेदों को समझाइए।

8. धीरोदात्त नायक को परिभाषित कीजिए।